देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 48 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज श्री

देहरादून, मंगलवार, 21 मई 2024

विचार-प्रवाह...
बेहतर तैयारी

मौसम अधिकतम 37.0° न्यूनतम 26.0°

74005.94

2 फिर चीन की शरण में पाकिस्तान

7 कोहली आरसबी के पोस्टर बॉय

मांग के अनुसार सुनिश्चित हो बिजली की उपलब्धता

मुख्यमंत्री ने की चारधाम यात्रा सहित ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत पेयजल और विद्युत आपूर्ति की समीक्षा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में चारधाम यात्रा, ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत पेयजल और विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की। चारधाम यात्रा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 31 मई तक ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन स्थगित रखे जाएं। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा और सुविधा की दृष्टिगत यह निर्णय लिया जाना जनहित में जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को उत्तराखण्ड के अन्य धार्मिक और पौराणिक स्थलों में जाने के लिए भी प्रेरित किया जाए। उन्होंने गढ़वाल कमिश्नर और आईजी को निर्देश दिये कि इसके लिए डायवर्जन प्लान बनाया जाय। चारधाम यात्रा के लिए भीड़ प्रबंधन का विशेष ध्यान रखे जाने के साथ यह सुनिश्चित किया जाए कि चारों धामों में श्रद्धालुओं की जो संख्या निर्धारित की गई है, उसके अनुसार ही श्रद्धालुओं को भेजा जाए। बिना रजिस्ट्रेशन के जो श्रद्धालु उत्तराखंड की सीमा के अन्दर प्रवेश कर चुके हैं, वे चारों धामों के अलावा राज्य के अन्य धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों के लिए जाना चाहते हैं, तो उन्हें वहां भेजा जाय, ऐसे श्रद्धालुओं को स्पष्ट जानकारी दी जाय कि चारों धामों में निर्धारित संख्या एवं तय मानकों के अनुसार ही श्रद्धालुओं को दर्शन हेतु भेजा जायेगा। इसके लिये टूर ऑपरेटरों के लिये भी एडवाईजरी जारी की जाए। यात्रा मार्गों पर पर्याप्त चिकित्सकों और दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं। चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों को 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश उन्होंने दिये।

विद्युत आपूर्ति की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिये कि लोगों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। इसके लिए तीनों निगम यूपीसीएल, यूजेवीएनएल और पिटकुल आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। राज्य में विद्युत की मांग के अनुसार आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये है।

ग्रीष्म काल को देखते हुए पेयजल की रखी जाए पर्याप्त व्यवस्था

पेयजल की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में ओवरहेड टैंक मूल जल स्रोतों से दूर बनाये जाए। चारधाम यात्रा में भी पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। पेयजल से जुड़े विभागों के वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में जाकर पेयजल व्यवस्थाओं को देखें। पेयजल के टैंकर और जनरेटर की पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में पेयजल की कमी है, टैंकरों और अन्य माध्यमों से पेयजल व्यवस्था की जाए।

व्यवस्थाओं और प्रबंधन में कहां कमी रही इसका किया जाए विश्लेषण

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इसका भी विश्लेषण किया जाए कि पिछले 10 दिनों में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं और प्रबंधन में कहां कमी रही और यह कमी किन कारणों से उत्पन्न हुई। इसके साथ ही यह भी देखा जाय कि यात्रा के दौरान कौन से सराहनीय कार्य किये गये। उन्होंने अपर मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन को निर्देश दिये कि इसकी साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार की जाय। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिये है कि केदारनाथ और यमुनोत्री में शासन और पुलिस के जिन अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी दी गयी है वे निरन्तर फील्ड में रहें और व्यवस्थाओं में जिलाधिकारी और पुलिस का सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

नेतन्याहू और हमास नेताओं के खिलाफ जारी हो अरेस्ट वारंट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और हमास के नेताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान ने कहा कि नेतन्याहू सहित इजरायल और हमास लीडर्स के लिए 7 महीने के युद्ध को लेकर गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए। खान ने कहा, मेरा मानना है कि नेतन्याहू, उनके रक्षा मंत्री योव गैलेंट और हमास के तीन नेता गाजा पट्टी और इजरायल में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं।

आप को विदेशों से हुई करोड़ों की अवैध फंडिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी ने एक रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी है, जिसमें इस बात का जिक्र है कि 2014 से 2022 के बीच आम आदमी पार्टी को विदेशों से बड़ी संख्या में विदेशी फंडिंग हुई है।

बारामूला में अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त

पांचवें चरण में 5 बजे तक 56.68 प्रतिशत हुआ मतदान

संवाददाता

नई दिल्ली। सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 का पांचवें चरण में सोमवार को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान हुआ। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा की पांच, बिहार की पांच, झारखंड की तीन, जम्मू कश्मीर की एक, लद्दाख की एक सीट पर वोटिंग हुई। पांचवें चरण के साथ कुल 428 सीटों पर चुनाव संपन्न हुआ।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान शाम 6 बजे संपन्न हो गया। इससे पहले शाम पांच बजे तक देश में 56.68 फीसदी मतदान हो गया। शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग पश्चिम बंगाल और झारखंड में हुई है। वहीं महाराष्ट्र में वोटिंग प्रतिशत सबसे कम रहा है।

वहीं उत्तरी कश्मीर की बारामुला लोकसभा सीट पर पिछले 40 वर्षों में दूसरी बार सबसे अधिक मतदान हुआ है। खास बात यह है कि पिछले चार बार के आंकड़े तीन बजे ही टूट गए। इस सीट पर तीन बजे तक 44.90 प्रतिशत वोटिंग हुई। वहीं, पांच बजे तक मत प्रतिशत बढ़कर 54.21 फीसदी पर पहुंच गया। आखिरी एक घंटे में इसमें कुछ और बढ़ोत्तरी भी होने जा रही है। जम्मू–कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी ने एक बयान में कहा कि बारामुला संसदीय क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान हुआ है। इस सीट में चार जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

इस बार बारामुला सीट पर हर मतदान केंद्र पर बढ़चढ़ कर लोग लोकतंत्र पर्व में हिस्सा लेने के लिए शामिल हो रहे हैं। बारामुला सीट के मतदाताओं ने श्रीनगर सीट के मतदाताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। इस बार श्रीनगर सीट पर 37.99 प्रतिशत मतदान हुआ है।

पांचवें चरण में कई बड़े दिग्गजों की किस्मत हुई कैद

पांचवें चरण में कई बड़े दिग्गजों की चुनावी प्रतिष्ठा दांव पर है। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, राहुल गांधी, चिराग पासवान, राजीव प्रताप रूडी, रोहिणी आचार्य,उमर अब्दुल्ला और पीयूष गोयल जैसे दिग्गज शामिल हैं।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के हेलीकॉप्टर क्रैश में मौत की पुष्टि हुई है। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि सेना को दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया। रविवार को इब्राहिम रईसी और कई ईरानी अधिकारियों के लो जा रहा हेलीकॉप्टर एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

दरअसल, रविवार को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके विदेश मंत्री पहाड़ी इलाकों और बर्फीले मौसम में एक हेलीकॉप्टर क्रैश का शिकार बने। एक ईरानी अधिकारी ने खोजी टीमों द्वारा मलबे का पता लगाने के बाद उनका शव भी बरामद कर लिया।

अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया, दुर्घटना में राष्ट्रपति रईसी का हेलीकॉप्टर पूरी तरह से जल गया। दुर्भाग्य से, सभी यात्रियों के मारे जाने की आशंका है। सोमवार तड़के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में मलबे तक पहुंचने के लिए बचाव दल रात भर बर्फीले तूफान और कठिन इलाके में ढूंढते रहे थे। ईरान के रेड क्रिसेंट के प्रमुख पिरहोसैन कोलिवांड ने सरकारी टीवी को बताया, हम मलबा देख सकते हैं और स्थिति अच्छी नहीं लग रही है।

बता दें कि 63 वर्षीय रईसी को वर्ष 2021 में राष्ट्रपति चुना गया था और पद संभालने के बाद से उन्होंने नैतिकता कानूनों को कड़ा करने का आदेश दिया और सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर खूनी कार्रवाई की और बड़े देशों के साथ परमाणु वार्ता में कड़ी मेहनत की।

हादसा

- हेलीकॉप्टर के क्रैश होने के 17 घंटे बाद मिला मलबा

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत पर शोक जताया है। मोदी ने कहा कि भारत इस दुख की घड़ी में ईरान के साथ हमेशा की तरह खड़ा है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development: All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding: 1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries) 2. Social Media 3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation: A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly. You tell us, we do it.
Contact: Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

कांग्रेस अब डूब चुका जहाज है...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बंगाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को झारग्राम में बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और उन्होंने टीएमसी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि कल तक टीएमसी कांग्रेस को गाली दे रही थी। अब कह रही है हम इंडि गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन बंगाल के लोग जानते हैं कि कांग्रेस अब डूब चुका जहाज है और टीएमसी के जहाज में भी छेद हो चुका हैं। ये दोनों एक–दूसरे की सवारी कर लें, फिर भी डूबना तो तय है।

कांग्रेस और टीएमसी पर पीएम का सीधा हमला

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झाड़ग्राम से पहले तमलुक में चुनावी रैली को संबोधित करना था, लेकिन मौसम खराब होने के चलते उनका हेलीकॉप्टर तमलुक में नहीं उतर सका। वे झाड़ग्राम से ही दोनों चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये चनाव भारत के भविष्य का चुनाव है। जिन लोगों ने भारत को दशकों पीछे धकेल दिया, देश उन्हें नकार चुका है। देश भूला नहीं है। जब दुनिया तेजी से विकास कर रही थी। तब कांग्रेस सरकार घोटालों का कीर्तिमान गढ़ रही थी।

न्यूज डायरी

ईरानी राष्ट्रपति की मौत की वजह पर चीनी विशेषज्ञ को क्यों हो रहा शक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन की मौत हो गई है। दोनों नेताओं को लेकर जा रहा हेलीकॉप्टर रविवार को एक दुर्गम घाटी में क्रैश हो गया। बचावकर्मियों को हादसे की जगह तक पहुंचने में कई घंटे का समय लगा और किसी को भी बचाया नहीं जा सका। ईरान के दो अहम पदों पर बैठे नेताओं की मौत की वजह बने हादसे का कारण अज्ञात बना हुआ है। चीनी विशेषज्ञों ने कहा है कि घना कोहरा हादसे के लिए जिम्मेदार हो सकता है लेकिन साथ ही उन्होंने इस पर भी ध्यान दिलाया है कि ईरान फिलहाल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्थिति का एक मुश्किल हालात का सामना कर रहा है। ये स्थिति हादसे के पीछे किसी साजिश की आशंका को भी जन्म देती है। हालांकि पर्यवेक्षकों का मानना है कि ईरान की राजनीतिक संरचना ऐसी है कि इस बड़े हादसे के बावजूद देश में अराजकता जैसी स्थिति नहीं आएगी और कामकाज सामान्य तौर पर चलता रहेगा। रिपोर्ट कहती है कि ईरानी राष्ट्रपति रईसी ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में यात्रा कर रहे थे। रविवार शाम को दुर्घटना ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 600 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में अजरबैजान देश की सीमा पर स्थित शहर जोल्फा के पास हुई।

88 साल के सऊदी किंग सलमान की अचानक बिगड़ी तबीयत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लंग इनफेक्शन हो गया है और उनका एंटीबायोटिक्स ट्रीटमेंट चल रहा है। रॉयल कोर्ट ने किंग के स्वास्थ्य पर ताजा अपडेट दिया। इससे पहले शाह सलमान को तेज बुखार और जोड़ों में दर्द की शिकायत थी। उनका जेद्दा के अल–सलाम पैलेस में मेडिकल टेस्ट किया जाएगा। एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब 88 वर्षीय किंग की अचानक तबीयत बिगड़ी है। आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) द्वारा प्रकाशित शाही बयान के अनुसार, टेस्ट में पाया गया कि किंग के फेफड़ों संक्रमण है और डॉक्टरों ने सूजन दूर होने तक एंटीबायोटिक्स ट्रीटमेंट करने का विचार किया है। किंग सलमान 2015 से गद्दी पर हैं, हालांकि उनके बेटे, 38 वर्षीय मोहम्मद बिन सलमान को 2017 में क्राउन प्रिंस बनाया गया था और वे शासक के रूप में कार्य करते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल निर्यातक सऊदी अरब वर्षों से किंग सलमान के स्वास्थ्य पर अटकलों को शांत करने की कोशिश कर रहा है। राजा के स्वास्थ्य पर शायद ही कभी चर्चा की जाती है, लेकिन रॉयल कोर्ट ने अप्रैल में खुलासा किया कि उन्हें नियमित जांच के लिए किंग फैसल स्पेशलिस्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले, वह मई 2022 में अस्पताल में भर्ती हुए था, जब वे कोलोनोस्कोपी के लिए गए थे।

भारत के पहले अंतरिक्ष पर्यटक बने गोपी थोटाकुरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। गोपी थोटाकुरा भारत के पहले अंतरिक्ष पर्यटक बन गए हैं। उद्यमी और पायलट गोपी ने रविवार को ब्लू ओरिजिन के प्राइवेट अंतरिक्षयान से उड़ान भरी। ब्लू ओरिजिन अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की कंपनी है। गोपी को पांच अन्य सहयात्रियों के साथ न्यू शेपर्ड–25 मिशन के लिए चुना गया था। अंतरिक्ष की उड़ान भरने के साथ ही वह पहले भारतीय अंतरिक्ष पर्यटक और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने। भारतीय सेना के विंग कमांडर राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष में गए थे। राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं। ब्लू ओरिजिन की सातवीं मानव उड़ान, एनएस–25 सुबह वेस्ट टेक्सास से रवाना हुई। गोपी के साथ चालक दल के अन्य पांच सदस्यों में मेसन एंजेल, सिल्वेन शिरोन, केनेथ एल. हेस, कैरोल स्कालर और अमेरिका वायुसेना के पूर्व कैप्टन एड ड्वाइट शामिल थे। मिशन के दौरान चालक दल ने ध्वनि की गति से तीन गुना से भी अधिक गति से यात्रा की। रॉकेट ने कैप्सूल को कार्मन लाइन से आगे बढ़ाया, जो पृथ्वी की सतह से 100 किलोमीटर ऊपर का क्षेत्र है। इस क्षेत्र के बाद बाहरी अंतरिक्ष शुरू होता है।

यूक्रेन ने रूस पर किया बड़ा हमला, 62 ड्रोन दागे

रिपोर्ट

दक्षिणी रूस में एक तेल रिफाइनरी को रोकना पड़ा परिचालन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। रूस ने कहा कि यूक्रेन ने रूसी क्षेत्रों पर 62–ड्रोन से बड़ा हमला किया है, जिससे दक्षिणी रूस में एक तेल रिफाइनरी को परिचालन रोकना पड़ा और कीव की सेना ने रूसी–आधिपत्य वाले क्षेत्र में अमेरिकी, फ्रांसीसी और यूक्रेनी मिसाइलें दागीं। रूस ने कम से कम 103 ड्रोन मार गिराए, जिनमें 62 रूसी क्षेत्रों में साथ ही क्रीमिया पर आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस), फ्रांसीसी निर्देशित हैमर बम और यूएस हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (एचआईएमएआरएस) शामिल थे।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र के स्लावयांस्क में एक तेल रिफाइनरी के क्षेत्र में छह ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इंटरफैक्स समाचार एजेंसी ने कहा कि हमले के बाद रिफाइनरी ने काम रोक दिया। टीएएसएस ने

रिफाइनरी के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि यूक्रेन द्वारा प्रक्षेपित ड्रोन द्वारा किए गए हमले पिछले हमलों से बड़े थे और उनमें स्टील की गेंदें भी शामिल थीं। स्लावयांस्क रिफाइनरी एक निजी संयंत्र है जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 4 मिलियन मीट्रिक टन तेल, लगभग 80,000 बैरल प्रति दिन है।

एक यूक्रेनी खुफिया सूत्र ने कीव में रॉयटर्स को बताया कि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एसबीयू और सैन्य ड्रोन ने रातभर के हमलों में रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में स्लावयांस्क रिफाइनरी और एक सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया।

यूक्रेनी नौसेना ने यह भी कहा कि उसने रूसी काला सागर बेड़े के प्रोजेक्ट 266–एम कोवरोवेट्स माइनस्वीपर को नष्ट कर दिया है। रूस ने कहा कि उसकी सेना ने यूक्रेन की 24वीं और 42वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड और 125वीं एयर डिफेंस ब्रिगेड को खार्किव क्षेत्र के लुकियांत्सी, वेसेले और राधोस्पने में हरा दिया है और क्षेत्र के अन्य बिंदुओं पर कीव की सेना के हमलों को नाकाम कर दिया है।

रूस ने इस महीने की शुरुआत में पूर्वोत्तर यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में एक नया मोर्चा खोलने के बाद से अपने क्षेत्र पर यूक्रेनी हमलों में वृद्धि की सूचना दी है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि रूस को ऐसे हमलों से बचाने के लिए रूस वहां एक बफर जोन बना रहा है। रूस का कहना है कि अगर यूक्रेन पश्चिमी हथियारों का इस्तेमाल करता है तो रूस और पश्चिम के बीच व्यापक युद्ध शुरू होने का खतरा है। पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस की यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव को लेने की फिलहाल कोई योजना नहीं है, व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि रूसी संप्रभु क्षेत्र के खिलाफ यूक्रेन द्वारा अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित नहीं करने की अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है।

ईरान के राष्ट्रपति की मौत पर हमास ने जताया दुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गाजा। फलस्तीनी इस्लामी समूह हमास ने ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन पर शोक व्यक्त किया। हमास ने कहा कि इन नेताओं ने इजरायल के खिलाफ हमारे लोगों का समर्थन किया। हाल ही में इजरायल के साथ हुए युद्ध के दौरान रईसी ने फलस्तीनी लोगों का जमकर समर्थन किया था।

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी रईसी की रविवार को अजरबैजान सीमा के पास पहाड़ी इलाके में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। हेलीकॉप्टर का जला हुआ मलबा बर्फीले तूफान के बीच रात भर की खोज के बाद सोमवार को सुबह बरामद कर लिया गया। बता दें कि इस हेलीकॉप्टर में रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीरअब्दुल्लाहियन सवार थे। हमास ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, इन नेताओं ने इजरायल के खिलाफ हमारे लोगों का समर्थन किया, फलस्तीनी को समर्थन प्रदान किया और अल–अक्सा की लड़ाई के दौरान गाजा पट्टी में हमारे लोगों के लिए एकजुटता और समर्थन दिया। हमास ने इजरायल के साथ वर्तमान युद्ध का भी जिक्र किया। हमास ने एक बयान में कहा कि उन्होंने हमारे फलस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायली आक्रमण को रोकने के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास भी किए।

ताइवान के नए राष्ट्रपति ने ली शपथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग–ते ने अपने उद्घाटन भाषण में अपने देश के खिलाफ चीनी सैन्य धमकी को रोकने को कहा है। इस साल की शुरुआत में चुनाव जीतने के बाद लाई को सोमवार को एक समारोह में पद की शपथ दिलाई गई। लाई अपेक्षाकृत उदारवादी हैं, जो चीन के खिलाफ अपनी सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश करते हुए ताइवान की वास्तविक स्वतंत्रता की नीति को जारी रखेंगे। उन्होंने त्साई इंग–वेन का स्थान लिया, जिन्होंने कोविड–19 महामारी और चीन की बढ़ती सैन्य धमकियों के बावजूद आठ वर्षों तक आर्थिक और सामाजिक विकास के माध्यम से ताइवान का नेतृत्व किया। उद्घाटन समारोह के लिए ताइपे में राष्ट्रपति कार्यालय भवन के सामने हजारों लोग एकत्र हुए।

तालिबान से डरा पाकिस्तान फिर चीन की शरण में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■हम अफगानिस्तान को सीपीईसी में लेने को तैयार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्लानिंग डेवलपमेंट मिनिस्टर अहसान इकबाल चौधरी ने कहा है कि इस्लामाबाद को चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) प्रोजेक्ट में अफगानिस्तान को शामिल किए जाने पर एतराज नहीं है। हालांकि पाकिस्तान ये जरूर चाहता है कि चीन की ओर से अफगानिस्तान पर आतंकवादी समूहों पर नकेल कसने के लिए दबाव बनाया जाए, जो उसकी जमीन से चल रहे हैं। वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) के साथ एक साक्षात्कार में इकबाल ने कहा कि उनकी सरकार देश में काम करने वाले चीनी नागरिकों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके लिए उठाए कदमों का जिक्र करते हुए ये इशारा भी किया अफगानिस्तान की धरती पर पनप रहे आतंकी संगठन इन हमलों के पीछे हैं।

चौधरी ने कहा, जब भी आप आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करते हैं तो वह कोई नया रास्ता ढूंढने की कोशिश करते हैं। आतंकियों की ओर से हाल के समय में चीजों को खराब करने की कोशिश की गई लेकिन चीनी सरकार ने साफ कर दिया है कि ऐसी कायरतापूर्ण घटनाएं सीपीईसी को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकती हैं। पाकिस्तान सरकार ने भी सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं। इकबाल चौधरी ने चीन की सराहना करते हुए ये भी कहा कि सीपीईसी में चीनी निवेश ने उस समय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मदद की जब देश कठिन समय से गुजर रहा था।

इकबाल ने आगे कहा, चीन ने 11 साल पहले 2013 में पाकिस्तान में 25 बिलियन डॉलर का निवेश करने का फैसला किया था। ये एक ऐसा समय था, जब हमारे पास बिजली की कमी थी। देश आतंरिक सुरक्षा से भी जूझ रहा था, लगातार आत्मघाती बम विस्फोट उस समय हो रहे थे। इस सबके बावजूद चीन ने उस समय पाकिस्तान का समर्थन करने का फैसला किया और यहांकर निवेश किया।

तुर्की का वह किलर ड्रोन जिसने ढूंढ निकाला ईरानी राष्ट्रपति का मलबा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के हेलिकॉप्टर का मलबा मिल गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने ऐलान किया है कि ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री होसैन अमीरअब्दोल्लाहैन और अन्य लोगों की मौत हो गई है। ये लोग अरजबैजान से ईरान के शहर तबरिज जा रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान घने कोहरे के कारण उनका हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। करीब 12 घंटे से ज्यादा समय से ईरानी सेना और राहत तथा बचावकर्मी राष्ट्रपति रईसी के हेलिकॉप्टर के मलबे को खोज रहे थे लेकिन आखिरकार तुर्की के ड्रोन अकिंसी ने कमाल कर दिया। अकिंसी ने न केवल मलबा ढूढ़ा बल्कि उसका पूरा रास्ता बचाव दल को बता दिया जिससे वे आसानी से घटनास्थल पर पहुंच गए। तुर्की के राष्ट्रपति ने नाइट विजन तकनीक से लैस अकिंसी ड्रोन और हेलिकॉप्टरों को तत्काल रवाना किया।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए उठाए ठोस कदमः डीएम

समीक्षा

जिलाधिकारी ने की समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक

संवाददाता

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में सोमवार को समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत गठित जिला स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक हुई। जिसमें बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के सृजन पर जोर दिया गया। इस दौरान समग्र शिक्षा, पीएम श्री, निपुण भारत मिशन, पीएम पोषण अभियान के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों के साथ ही जनपद स्तर पर संचालित समर्थ गांव योजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा हर बच्चे के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) के लिए बेसिक स्तर पर समुचित वातावरण का सृजन किया जाए। जिन विद्यालयों में बच्चों का लर्निंग लेवल बहुत कमजोर है, उनको चिन्हित करें और उन विद्यालयों में प्रोत्साहन धनराशि पर वॉलिंटियर शिक्षक नियुक्त करते हुए बुनियादी शिक्षा में सुधार लाया जाए। मूल्यांकन के बाद कमजोर बच्चों पर विशेष फोकस करें। बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करें और जो शिक्षक अच्छा कार्य कर रहे, उनको सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे कमजोर बच्चों को फायदा मिलेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। पीएम श्री और पीएम पोषण के अन्तर्गत विद्यालयों में प्लानिंग के साथ मरम्मत एवं अन्य निर्माण कार्य कराए जाए। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान शिक्षा अधिकारी स्थानीय जन समुदाय से फीडबैक लेकर अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करें।

जनपद में शत प्रतिशत साक्षरता के लिए संचालित ''समर्थ गांव योजना'' की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि साक्षरता कार्यो का मूल्यांकन किया जाए। छूटे हुए निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। साक्षर बनने के इच्छुक ऐसे बुजुर्ग जिनकी आंखें कमजोर है या किसी उपकरण की आवश्यकता है तो उनको चिन्हित करें, ताकि उनको साक्षर बनाने के लिए सहयोग दिया जा सके। निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने के लिए बैठक में बीएलओ, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं ज्ञान मित्रों के सुझाव भी लिए गए।

मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद में सरकारी एवं प्राइवेट कुल 1509 विद्यालयों में 70244 बच्चे पंजीकृत है। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए बच्चों का प्रत्येक महीने में स्किल टेस्ट लेकर मूल्यांकन किया जाता है। समर्थ गांव योजना के अंतर्गत जनपद में 22540 निरक्षर लोगों को चिन्हित किया गया था। जिसमें से 14586 लोगों को साक्षर बनाया गया है तथा छूटे हुए 7954 लोगों को साक्षर बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

न्यूज डायरी

उत्तराखंड हाई कोर्ट को गढ़वाल क्षेत्र में स्थापित कराए जाने की मांग

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने सोमवार को एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उत्तराखंड सरकार से मांग की है कि वह उत्तराखंड हाई कोर्ट को गढ़वाल क्षेत्र में स्थापित कराए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भी चाहती है कि हाई कोर्ट गढ़वाल के किसी भी क्षेत्र में स्थापित करें। डंडरियाल और वारसी ने कहा कि समिति देहरादून बार एसोसिएशन के हाई कोर्ट स्थांतरण के लिएं चलाए जा रहे अभियान का खुला समर्थन करती है। समिति सदैव ही जनहित के मामलों में अग्रणीय रही है और निकट भविष्य में भी अग्रणीय रहेगी।

अचानक धू- धू कर जली स्कूल बैन, बाल-बाल बचें बच्चे

संवाददाता पुरोला। मोरी में सोमवार को यूनिक एकेडमी गैंच्वाण गांव से नैटवाड़ बच्चों को छोड़ने आ रही स्कूल बैन (यूके10 I1634) में मोहताड़ के पास अचानक आग धधक उठी। समय रहते चालक ने सभी बच्चों को सूझबूझ से वाहन से बाहर निकाल लिया। जिससे अनहोनी होने से टल गई। सूचना पर पहुंची मोरी फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्कूल बैन यूनिक एकेडमी गैंच्वाण गांव की बताई जा रही है । जिसमें 15 बच्चे थे सवार। थानाध्यक्ष मोरी अशोक कुमार ने बताया कि बच्चों को छोड़ने स्कूल बैन एकेडमी से नैटवाड आ रही थी जिसमें अचानक आग लग गई कोई अनहोनी नहीं हुई है।

अगस्त्या इंटरनेशनल फाउंडेशन ने विज्ञान महोत्सव का किया आयोजन

संवाददाता देहरादून। राजकीय इंटर कॉलेज नालापानी देहरादून में अगस्त्या इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को विज्ञान के विभिन्न मॉडल जैसे – जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान के विभिन्न प्रकार के विषयवस्तुओं के मॉडल को प्रस्तुत किया गया। जिसका उद्घ्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० ज्योति प्रसाद तिवारी, विद्यालय के समस्त अध्यापकों द्वारा किया गया तथा विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं तथा छात्रों ने विज्ञान महोत्सव में लगे मॉडलों का अवलोकन किया। जिसमें अगस्त्या फाउंडेशन के प्रशिक्षक – अन्नू रावत, निहारिका, अमित एवं अशोक कुमार एवं देवरत पाल उपस्थित रहे।

विधि-विधान से खुले द्वितीय केदार मदमहेश्वर के कपाट

संवाददाता रुद्रप्रयाग। पंचकेदारों में प्रतिष्ठित द्वितीय केदार भगवान मदमहेश्वर के कपाट आज पूर्वाह्न 11 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ विधि-विधान से खोल दिए गए हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के प्रवक्ता डॉ. हरीश गौड़ ने अवगत कराया है कि श्री मदमहेश्वर भगवान की देवडोली के पहुंचने के पश्चात् आज प्रातः 10 बजे से कपाट खुलने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। उन्होंने बताया कि पूर्वाह्न 11:15 बजे पुजारी टी गंगाधर लिंग ने पूजा-अर्चना के बाद बीकेटीसी के अधिकारियों, हक-हकूक धारियों की उपस्थिति में विधि-विधान से श्री मदमहेश्वर मंदिर के कपाट खोल दिए गए। इसके बाद भगवान मदमहेश्वर जी के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप अलग कर निर्वाण रूप तथा उसके उपरांत श्रृंगार रूप दिया गया। तत्पश्चात् यहां मौजूद श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। इस दौरान करीब साढ़े तीन सौ से अधिक श्रद्धालु मौजद रहे।

श्री केदारनाथ धाम पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों ने की व्यवस्थाओं की सराहना

संवाददाता रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में लगातार पहुंच रहे हैं। साथ ही यहां मिल रही सुविधाओं की सराहना भी कर रहे हैं। जोधपुर राजस्थान से अपने साथियों के साथ श्री केदारनाथ की यात्रा पर पहुंचे दिलीप देवड़ा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि यहां आकर वास्तव में स्वर्ग जैसी आनंद की अनुभूति हो रही है। हरियाणा कुरुक्षेत्र से मंजीत ने बताया कि यहां थोड़ी बहुत असुविधाओं को छोड़कर अन्य सभी व्यवस्थाएं काफी अच्छी हैं। हरियाणा से श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचे रूपेश ने भी धाम में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां पर खाने व रहने सहित अन्य आवश्यक सभी सुविधाएं बहुत बेहतर ढंग से मिली हैं। साथ ही बहुत अच्छे से बाबा केदारनाथ के दर्शन हुए हैं।

आलू के बीज के लिए चमोली के काश्तकारों की बाहरी बाजारों पर निर्भरता होगी कम

संवाददाता

चमोली में मुंदोली में शुरू की गई आलू बीज उत्पादन योजना

चमोली। चमोली जनपद में आलू का उत्पादन विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। यहां जैविक खादों के साथ आलू के उत्पादन के चलते इसकी मैदानी बाजारों में अच्छी मांग रहती है। लेकिन जनपद के काश्तकारों को उन्नतशील बीज न मिलने से उन्हें परेशानी का सामाना करना पड़ता था। जिससे देखते हुए प्रशासन की ओर से ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत जनपद में ही बीज उत्पादन की योजना तैयार की है। योजना के प्रथम चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गावं को चयनित किया गया है।

चमोली जिले के देवाल, थराली, दशोली, जोशीमठ, निजमूला नीति और माणा घाटियों में काश्तकार व्यावसायिक स्तर पर आलू का उत्पादन करते हैं। लेकिन वर्तमान तक काश्तकार आलू के उन्नतशील बीज के लिए बाहरी बाजारों पर निर्भर हैं। ऐसे में छोटी जोत के किसानों को आलू के उत्पादन से सीमित लाभ मिल पाता है। जिसे देखते हुए विकास विभाग ने छोटी जोत के किसानों की आय बढाने की मंशा से ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत जनपद में ही आलू बीज के उत्पादन की योजना बनाई है। योजना के संचालन के लिए पहले चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गांव को चुना गया है। जहां आलू के उन्नतशील बीज का उत्पादन कर जनपद के काश्तकारों को उपलब्ध कराया जाएगा। आलू का व्यावसायिक उत्पादन करने वाले काश्तकारों की बीज के लिए बाहरी बाजारों पर निर्भरता कम हो जाएगी। वहीं बीज के विपणन से छोटी जोत वाले किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकेगी।

मुख्य विकास अधिकारी चमोली के अभिनव शाह का कहना है कि चमोली में की जलवायु आलू के उत्पादन के लिये बेहतर है। ऐसे में आलू के बीज का उत्पादन से काश्तकारों की आय को सुदृढ़ किया जा रहा है। जिसे देखते हुए काश्तकारों को तकनीकी सहयोग देकर उत्पादन में उच्चतम स्तर की गुणवत्ता प्राप्त की जाएगी।

सुमित्रानंदन पंत की जयंती पर कवि सम्मेलन

संवाददाता बेतालघाट। राजकीय प्राथमिक विद्यालय अमेल में सुमित्रानंदन पंत की जयंती पर सोमवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रधानाध्यापक सिद्धार्थ बधानी व शेखर फुलारा ने किया। कविता पाठ करते हुए हास्य कवि राजकुमार भंडारी ने नशा जागरूकता और अन्य विषयों पर कविता सुनायी। इस अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता भी हुई। जिसमें सौम्या ने पहला, गर्वित बुधौड़ी दूसरे और कौशल रावत ने तीसरा स्थान पाया। इससे पूर्व राजपाल सिंह शेखर फुलारा दिनेश रावत ने सुमित्रानंदन पंत के जीवन पर प्रकाश डाला गया। प्रधानाध्यापक सिद्धार्थ बधानी व शेखर फुलारा, हरीश पंत ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर भगवती अधिकारी, ललिता दरमाल, दीपा, बीना, खष्टी देवी रहीं।

विद्या के अलावा और कोई ज्ञान नहीं है।
–अज्ञात

विचार-प्रवाह देहरादून, मंगलवार, 21 मई 2024

पेज थ्री
www.page3news.in

बेहतर तैयारी

सुरक्षा बलों की चौकसी और आतंकी तत्वों पर लगातार रखी जा रही नजर के कारण आतंकी वारदात को अंजाम देने के बजाय इस तरह की अफवाह फैलाना अपेक्षाकृत आसान है। लिहाजा, देश में अशांति, बेचौनी और घबराहट का माहौल पैदा करने की इच्छुक ताकतें इस तरह की हरकतें जारी रख सकती हैं।

गुलशन राय खत्री।।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के लिए सुबह असामान्य रही। जिस तरह से एक के बाद एक अलग–अलग स्कूलों में बम रखे होने की खबर आने लगीं, उससे न केवल स्कूल के स्टाफ, बच्चों और अभिभावकों में घबराहट फैली बल्कि इसे देख–सुन रहे सभी लोग सकते में आ गए। हालांकि, करीब 200 स्कूलों को चपेट में लेने वाली यह खबर पूरी तरह फर्जी निकली, लेकिन देश की राजधानी में अफरातफरी की स्थिति तो इसने बना ही दी। यूं तो किसी आतंकी संगठन या ग्रुप ने अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जो शुरुआती संकेत मिले हैं, उनके मद्देनजर इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिश से इनकार नहीं किया जा रहा। सभी स्कूलों को एक ही कंटेंट ईमेल किया गया। ईमेल भेजने के लिए रूसी टच्छ का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन सभी मेल एक ही आईडी से भेजे गए हैं। जिस तैयारी से ईमेल भेजी गई है, उसे देखते हुए विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इसकी ओरिजिन पता लगाना आसान नहीं होगा।

ध्यान रहे, यह हाल के दिनों में अपने ढंग की सबसे बड़ी भले हो, पहली घटना नहीं है। राष्ट्रपति भवन समेत कुल 103 सरकारी बिल्डिंगों में बम रखे होने की ईमेल भेजी गई थी। यह अलग बात है कि स्कूल, बच्चे और अभिभावक जैसे कारकों की गैरमौजूदगी में उससे अफरातफरी के हालात नहीं बने। लेकिन स्कूलों की ही बात करें तो भी यह पिछले तीन महीने में हुई तीसरी घटना है। अप्रैल की शुरुआत में कोलकाता के करीब 200 स्कूलों में इसी तरह बम रखे होने की अफवाह फैलाई गई थी। उससे पहले फरवरी में चेन्नै के 13 स्कूल निशाने पर आए थे।

जाहिर है, सुरक्षा बलों की चौकसी और आतंकी तत्वों पर लगातार रखी जा रही नजर के कारण आतंकी वारदात को अंजाम देने के बजाय इस तरह की अफवाह फैलाना अपेक्षाकृत आसान है। लिहाजा, देश में अशांति, बेचौनी और घबराहट का माहौल पैदा करने की इच्छुक ताकतें इस तरह की हरकतें जारी रख सकती हैं। निश्चित रूप से सुरक्षा बलों को इस चुनौती से निपटने की बेहतर तैयारी करनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय जांच वाले पहलू की बात करें तो भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं दिखती। पारस्परिक कानूनी सहायता सुनिश्चित करने वाली संधि MLAT (म्युचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी) भी भारत की सिर्फ 42 देशों के साथ है। बुडापेस्ट कन्वेंशन ऑन सायबर क्राइम पर भी भारत ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जिसके तहत विभिन्न देश संयुक्त जांच करते और आपस में सबूत साझा करते हैं। अस्पतालों और स्कूलों में बम की अफवाह जैसी चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए इन तमाम पहलुओं पर ध्यान देते हुए आगे बढ़ना होगा।

भीष्म पितामह

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। अश्वत्थामा महान योद्धा था। एक बार भीष्म पितामह ने उसकी प्रशंसा करते हुए कहा था, "अश्वत्थामा महारथी है। धनुर्धारियों में श्रेष्ठ, विचित्र युद्ध करने वाले और दृढ़ प्रहार करने वाले हैं। युद्ध क्षेत्र में तो साक्षात यमराज जान पड़ते हैं, किंतु उनमें एक दोष हैद्य उनको अपना जीवन अति प्रिय हैद्य मृत्यु से डरने के कारण वे युद्ध से जी चुराते हैं। इस कारण न तो उन्हें रथी मानता हूं और न अतिरथी"। भीष्म पितामह ने अश्वत्थामा की ठीक ही प्रशंसा की है सचमुच वह इतना ही शूरवीर था, लेकिन मृत्यु से डरने वाला कहकर भीष्म ने उसके चरित्र पर धब्बा लगाया है जबकि वह इतना डरपोक भी नहीं था जो मृत्यु से डरता होद्य कई बार उसने युद्ध–क्षेत्र में आकर शत्रु का सामना किया था। एक बार कर्ण पर ही रुष्ट होकर वह अपनी जान की परवाह न करते हुए तलवार लेकर टूट पड़ा था।

संपादकीय

भीड़ में अलग

रिसर्चर मानते हैं कि सामूहिक एआई के जोखिम भी हैं। उन्होंने नापाक उद्देश्यों के लिए सामूहिक एआई के दुरुपयोग की आशंका जताई है। उनका कहना है कि सामूहिक एआई परस्पर जुड़े एआई सिस्टम को 'संभावित अनैतिक या अवैध ज्ञान' साझा करने में समर्थ बना सकता है। यह ठीक हमारे इम्यून सिस्टम की तरह है जो बाहरी आक्रमणकारियों से शरीर की रक्षा करता है। इससे आपदा प्रतिक्रिया रोबॉट्स का विकास भी हो सकता है जो उन स्थितियों के लिए जल्दी से अनुकूल हो सकते हैं जिनमें उन्हें भेजा जाता है। एआई–आधारित व्यक्ति विशेष चिकित्सा एजेंट अत्याधुनिक चिकित्सा ज्ञान के साथ स्वास्थ्य परिणामों में सुधार कर सकते हैं। इसी तरह हेल्थकेयर रोबॉट विभिन्न कार्यों को अंजाम देने के अलावा रोगी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। लेखकों ने कहा कि भविष्य के किसी भी सामूहिक एआई सिस्टम की एआई इकाइयों को अपने उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामूहिकता से अपनी स्वतंत्रता बनाए रखनी होगी।

कलेक्टिव एआई जैसी अवधारणा भविष्य के एआई सिस्टम को दोबारा प्रशिक्षण के बगैर लगातार नई जानकारी सीखने में मदद कर सकती है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का समूह

मुकुल व्यास।।

दुनिया में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की प्रगति की वर्तमान रफ्तार को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य में एआई का क्या रूप होगा? विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य के एआई सिस्टम स्टार ट्रेक सीरियल में दिखाए गए बोर्ग के समान एक नेटवर्क के जरिए एक साथ काम करेंगे और जानकारी साझा करेंगे। डप्ब्, येल और लफबरा विश्वविद्यालयों के रिसर्चरों ने नेचर मशीन इंटेलिजेंस पत्रिका में एक पेपर प्रकाशित किया है, जिसमें उन्होंने 'कलेक्टिव एआई की अवधारणा का वर्णन किया है।

रिसर्चरों का कहना है कि मनुष्य जाति सामूहिक एआई का उदय देखेगी। इस सामूहिक ।ρ में विभिन्न इकाइयां होंगी। हर इकाई निरंतर सीखने और नई स्किल प्राप्त करने में सक्षम होगी। ये इकाइयां एक नेटवर्क बनाएंगी, जिसमें जानकारियां साझा की जाएंगी। आपस में मिलकर काम करने वाला एआई सिस्टम रिसर्च का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र है। स्टैनफर्ड और गूगल के रिसर्चरों ने एक काल्पनिक दुनिया विकसित की, जिसका नाम उन्होंने स्मॉलविल रखा। इसमें 25 ।ρ एजेंट बातचीत करते हैं और स्वायत्त रूप से काम करते हैं। डप्ब् ने 'सोसाइटी ऑफ माइंड्स' प्रस्तुत की, जिसमें ।ρ एजेंट यूजर की क्वेरी का समाधान खोजने के लिए एक–दूसरे से बहस करते दिखाई दिए। रिसर्चरों का कहना है कि कलेक्टिव एआई के बारे में उनका विजन स्टार ट्रेक या रिप्लिकेटर जैसे साइंस फिक्शन के सीरियलों में वर्णित पात्रों से अलग है।

स्टार ट्रेक में बोर्ग साइबरनेटिक (कृत्रिम अंगों से युक्त साइबोर्ग) जीवों की एक जाति है जो कलेक्टिव नामक हाइव माइंड (ग्रुप मस्तिष्क) के माध्यम से जुड़ी हुई रहती है। इस सामूहिक चेतना ने बोर्ग ड्रोन को विचार साझा करने और नियमित रूप से परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की अनुमति दी। रिसर्चरों के अनुसार बोर्ग की सूचना शेयर करने की क्षमता साइंस फिक्शन से बाहर निकलकर वैज्ञानिक तथ्य बन सकती है। उनका मानना है कि जानकारी शेयर करने का यह विचार कई एआई इकाइयों को एक नेटवर्क के जरिए एक–दूसरे से नया ज्ञान और कौशल सीखने में सक्षम बनाएगा। ChatGPT जैसे वर्तमान सिस्टम का ज्ञान सीमित है, जबकि एआई सिस्टम के ज्ञान को इंटरनेट एक्सेस के माध्यम से या रिट्रीवल–ऑगमेंटेड जेनरेशन जैसी तकनीकों के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है। एआई मॉडल को समय के साथ नई जानकारी सीखने के लिए बार–बार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है जिसमें ऊर्जा ज्यादा खर्च होती है। कलेक्टिव एआई जैसी अवधारणा भविष्य के एआई सिस्टम को दोबारा प्रशिक्षण के बगैर लगातार नई जानकारी सीखने में मदद कर सकती है।

ब्रिटेन की लफबरा यूनिवर्सिटी के डॉ. एंड्रिया सोल्टोगियो का कहना है कि लगातार सीखने और नए डेटा को अपनाने में सक्षम एआई इकाइयों के सामूहिक नेटवर्क में तत्काल ज्ञान साझा करने से नई स्थितियों, चुनौतियों या खतरों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने में मदद मिलेगी। इसके बाद अनेक कौशल, विचार और अनुप्रयोग क्रमिक रूप से विकसित होंगे। इससे नेटवर्क तेजी से नए कार्यों को पूरा करना और परिवर्तनों पर प्रतिक्रिया देना सीख जाएगा, तब परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियां सामने आएंगी। उदाहरण के लिए, साइबर सुरक्षा सिस्टम हैकरों को विफल करने के लिए संयुक्त पहचान क्षमताओं का उपयोग करेंगे। यदि एक ।ρ इकाई किसी खतरे की पहचान करती है, तो यह तुरंत ज्ञान साझा कर सकती है और सामूहिक प्रतिक्रिया को प्रेरित कर सकती है।

अष्टयोग-5051

7		5		3		1
	33		36		27	
3		4	6	7		2
	36		30	1	26	
5		7			3	
	36	6	32		34	3
	2		4	5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5050 का हल

5	7	2	4	1	6	3
2	33	1	23	6	33	6
3	7	6	1	2	4	5
4	42	4	29	4	25	4
7	6	5	4	3	2	1
6	37	7	38	7	33	2
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

पीढ़ियों की हसरतें पूरी हो गईं

मोहन। विपक्ष समझ चुका है कि राम कण–कण के साथ जन–जन के मन में भी विराजमान हैं। जब मन में राम बैठे हों तो 'मत' की 'गति' स्वतः समझी जा सकती है। डबल इंजन सरकार की कुछ योजनाओं ने समाज को सीधे प्राणवायु प्रदान की है। ऐसा परिवर्तन लाई हैं कि पीढ़ियों की हसरतें पूरी हो गईं हैं। 05 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड, 55 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क पक्का आवास, 15 करोड़ों लोगों को हर माह भरपूर मुफ्त अनाज, हर तीसरे महीने 03 करोड़ से अधिक किसानों को सम्मान निधि की सौगात, 10 करोड़ से अधिक लोगों को लाभान्वित करते 03 करोड़ परिवारों को निःशुल्क इज्जत घर, 1.75 करोड़ से अधिक परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन जैसे अनेक लाभों से आच्छादित करोड़ों नागरिक स्वयं में एक वर्ग बन गए हैं। इसे 'लाभार्थी वर्ग' कहते हैं। छद्म सामाजिक न्याय के रंग से रंगे जातीय किले अब अभेद्य नहीं रहे। 'लाभार्थी वर्ग' की शक्तिशाली बारूद से इनकी दीवारें हिलने लगी हैं। प्रदेश के करोड़ों वंचित, दलित, निर्धन समुदायों में व्याप्त यह 'लाभार्थी वर्ग' प्रत्येक लोक सभा क्षेत्र में बहुसंख्यक है। हर गांव, हर मोहल्ले, हर गली में यह वर्ग निवास करता है।

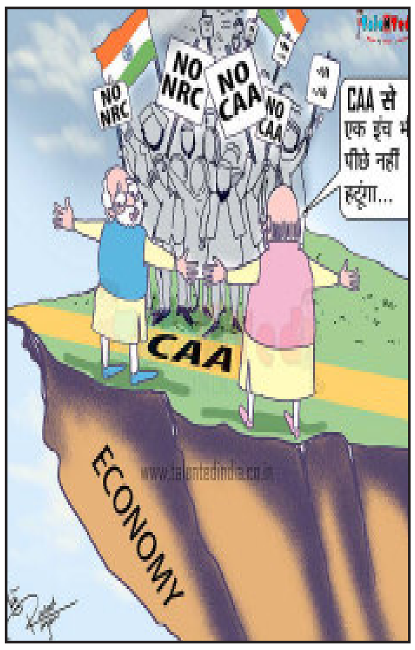

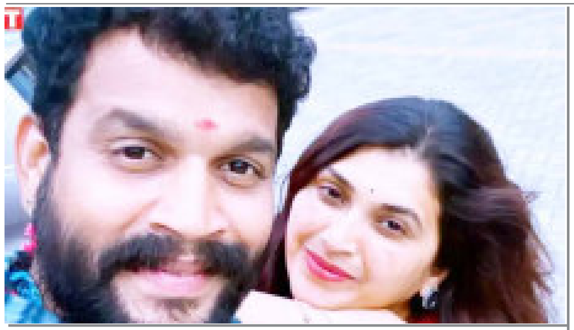

पत्नी पवित्रा जयराम की मौत के 6 दिन बाद एक्टर चंद्रकांत ने की आत्महत्या

तेलुगू इंडस्ट्री में डेली सोप में काम करने वाले एक्टर चंद्रकांत का निधन हो गया है। एक्टर ने शुक्रवार को तेलंगाना के अलकापुर स्थित अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उनके निधन की खबर उनकी को–एक्टर और पत्नी पवित्रा जयराम की मौत के बाद आई है। एक कार दुर्घटना में कुछ दिनों पहले ही उनकी भी जान गई थी। पुलिस के दर्ज किए गए चंद्रकांत के पिता के बयान के अनुसार एक्टर पिछले कुछ दिनों से उदास थे। एक्टर अपनी पत्नी पवित्रा के जाने के बाद गहरे शोक में थे। उन्होंने अपने पत्नी के लिए भावनात्मक नोट भी लिखा था जिसमें उनका दुख साफ दिख रहा था। इंस्टाग्राम पर उनकी आखिरी पोस्ट भी पवित्रा के लिए ही थी। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, आपके साथ आखिरी तस्वीर (रोने वाली इमोजी) मुझे अकेला छोड़ने की बात पचा नहीं पा रहा हूं, मेरी पावी अब नहीं रही (रोने और प्रार्थना करने का इमोजी) प्लीज वापस आ जाओ प्लीज। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लिखा, पापा वापस आ जाओ ना। वापस आकर मेरे आंसू पोछ दो। दोनों एक्टर्स के आकस्मिक निधन से पूरी तेलुगू इंडस्ट्री सदमे में है। खबरों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के मेहबूबा नगर में जयराम एक घातक कार दुर्घटना का शिकार हो गईं। उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। बाद में हैदराबाद से वानापर्थी आ रही बस कार के दाहिने हिस्से से टकरा गई। पवित्रा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

प्रभास नहीं, कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से शादी करेंगी अनुष्का शेट्टी?

बाहुबली की देवसेना यानी अनुष्का शेट्टी को लेकर जो खबर आई है, उससे फैंस को झटका लग सकता है। खासकर, उन फैंस को जो प्रभास के साथ उनकी शादी का सपना देख रहे हैं। दरअसल, ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि अनुष्का शेट्टी एक्टर प्रभास से नहीं बल्कि एक कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से शादी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अनुष्का शेट्टी की प्रोड्यूसर से सगाई भी हो चुकी है। शादी इस साल के आखिर तक हो जाएगी। यह खबर वाकई प्रभास–अनुष्का के फैंस का दिल तोड़ने वाली है। अब तक फैंस को लग रहा था कि अनुष्का शेट्टी, प्रभास को डेट कर रही हैं। दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं और कई फिल्मों में साथ काम किया। बाहुबली सीरीज में प्रभास और अनुष्का की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था, और उसी के बाद से उनकी डेटिंग की खबरें आने लगी थीं। यहां तक कि उनकी शादी की भी चर्चा होने लगी थी। अनुष्का शर्मा की एक कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर के साथ सगाई हो चुकी है।

पलक ने हाल ही में अपने यूरोप के ट्रिप से कई तस्वीरें शेयर कीं

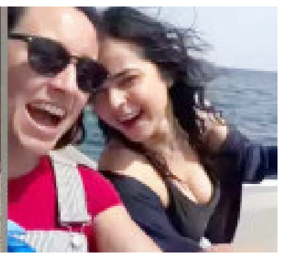

टीवी का फेमस सिटकॉम तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोनू भिड़े का रोल करने वाली एक्ट्रेस पलक सिधवानी अक्सर ट्रिप पर जाती रहती हैं और फैंस को वहां का शानदार नजारा दिखाती हैं। पलक ने हाल ही में अपनी यूरोप छुट्टियों की एक झलक दिखाकर अपने चाहने वालों को खुश कर दिया है। निधि भानुशाली को 2019 में शो में रिप्लेस करने वाली पलक ने सोनू का रोल करके अपना फैनबेस बनाया है। पलक ने हाल ही में अपने यूरोप के ट्रिप से कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फोटोज में सोनू भिड़े को कई यूरोपीय शहरों की सड़कों पर देखा जा सकता है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, अल्टिया की सड़कों पर खोई हुई।श इन तस्वीरों में पलक पूरी तरह से यूरोप के नजारे और खूबसूरती में डूबी हुई नजर आ रही हैं। चाहे ऐतिहासिक गलियों में घूमना हो या फेमस जगहों का दौरा करना हो, या बस वहां के लोकेशन को देखना हो, उनकी छुट्टियां यादगार पलों से भरी हुई लग रही है। वह सफेद कपड़ों में बिल्कुल बोल्ड और प्यारी लग रही हैं। इस गर्मी के माहौल में उनका जादू देखने लायक है। उन्होंने एक सफेद टॉप और स्कर्ट पहनी हुई है। पलक की छुट्टी न केवल उनके घूमने की पसंद को दिखाती है, बल्कि अपनी जर्नी के जरिए अपने फैंस से जुड़ने की उनकी पसंद भी दिखती है।

बाहुबली में कटप्पा बने सत्यराज अब पीएम मोदी बनेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एसएस राजामौली की बाहुबली में कटप्पा का किरदार निभाने के बाद अभिनेता सत्यराज की लोकप्रियता देशभर में बढ़ गई। एक्टर जल्द ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक में नजर आएंगे। ये पीएम मोदी की दूसरी बायोपिक होगी। पहली में विवेक ओबेरॉय नजर आए थे। सोशल मीडिया पर रमेश बाला ने कहा इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि सत्यराज अब प्रधानमंत्री की कहानी दिखाएंगे। रमेश बाला ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्सत्यराज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक में नरेंद्र मोदी का किरदार निभाएंगे। इसमें और जानकारी आने का इंतजार है। इसके पहले पीएम मोदी की बायोपिक 2019 में आई थी, जिसमें विवेक ओबेरॉय ने अभिनय किया था और लोगों ने जमकर आलोचना की थी।

सत्यराज की तरफ से अभी नहीं हुई पुष्टि

खबर ये भी है कि सत्यराज ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है कि वह ऐसी किसी मूवी का हिस्सा हैं या नहीं। लेकिन ये खबर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। हर कोई इस बार में बात कर रहा है कि एक्टर अब कटप्पा से सीधे पीएम मोदी के रूप में दिखाई देंगे। हालांकि उन्होंने अपने करियर में और भी तरह–तरह के रोल्स किए हैं लेकिन एसएस राजामौली की वो फिल्म इनके करियर की यादगार मूवी बन गई है।

पीएम मोदी के किरदार में नजर आ चुके हैं कई कलाकार

हालांकि कई फिल्में आईं, जिसमें पीएम मोदी का रोल कई एक्टर्स निभा चुके हैं। हाल ही में रिलीज हुई आर्टिकल 370 में अरुण गोविल ने ये किरदार निभाया था। इसके अलावा महेश ठाकुर भी पीएम मोदी का रोल कर चुके हैं। और अब इनका नंबर है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस साल इसकी शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। लेकिन इसे कौन बना रहा है, कौन–कौन कलाकार होंगे, कुछ मालूम नहीं चल सका है।

घर लौटे गुरुचरण सिंह की पहली फोटो आई सामने

तारक मेहता का उल्टा चश्माश के एक्टर गुरुचरण सिंह आखिरकार घर लौट आए हैं और उनकी पहली झलक सामने आई है। उनकी दाढ़ी पकी हुई है और वो पुलिस के साथ खड़े हैं। सोढ़ी को ऐसे देख उनके फैंस खफा नजर आ रहे हैं। एक्टर ने आने के बाद क्या कहा, आइए बताते हैं।

22 अप्रैल से लापता एक्टर गुरुचरण सिंह की घर लौटने के बाद पहली तस्वीर सामने आई है। एक पुलिस अधिकारी के साथ गुरुचरण की तस्वीर शेयर की। तारक मेहता का उल्टा चश्माश फेम एक्टर 25 दिनों के बाद शुक्रवार को अपने दिल्ली स्थित घर पर लौट आए। फोटो में, गुरुचरण सिंह पुलिसकर्मी के बगल में खड़े होकर मुस्कुरा रहे हैं। वो थके हुए लग रहे हैं। पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने लिखा, ये आदमी बूढ़ा हो गया है। फोटो में गुरुचरण सिंह ने धारीदार पगड़ी और काली टी–शर्ट पहनी हुई है। उनकी दाढ़ी पकी हुई है। इसलिए लोग उन्हें देखकर बूढ़ा समझ रहे हैं। अपने घर लौटने के तुरंत बाद, एक्टर से दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की और एक स्थानीय अदालत के सामने उनका बयान दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि एक्टर ने बताया है कि वह आध्यात्मिक यात्रा के लिए घर से निकले थे। तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक्टर के पिता, हरजीत सिंह शुरू में हमसे बात करने में झिझक रहे थे। जब उनसे उनके बेटे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें घर वापस आए 2 दिन हो गए हैं।

बेटे के लौटने के बाद क्या बोले पिता

वैसे बेटे के घर लौटने के बाद उनके पिता ने बताया है कि उन्हें कैसा लग रहा है और इस पर रिएक्ट भी किया है। उन्होंने कहा, श्तबीयत ठीक है अभी उनकी। यहीं घूम रहे थे वो। अगवा नहीं किया था उनको। हमने पुलिस को सब बताया है, आप उनसे पता कर लीजिये।

गुरुचरण सिंह कब गायब हुए?

इससे पहले अप्रैल में, गुरुचरण सिंह के पिता ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उनके बेटे के मुंबई जाने के बाद से अचानक लापता होने की जानकारी दी थी। उनके पिता के बयान के अनुसार, गुरुचरण सिंह के मुंबई जाने की उम्मीद थी। लेकिन वह कभी शहर नहीं पहुंचे। प्रारंभिक जांच के दौरान, पुलिस ने यह भी पाया कि एक्टर वित्तीय लेनदेन के लिए कई बैंक खाते चला रहे थे और अक्सर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। एक्टर के दोस्तों और रिश्तेदारों ने शुरू में पुलिस को बताया कि गुरुचरण सिंह अपने आध्यात्मिकता में लीन हो रहे थे। उन्हें पहाड़ों पर जाना था।

स्मोकिंग के कारण पीले दांतों की सफाई करेंगे ये घरेलू उपचार

कई लोगों को आपने देखा होगा कि उनके दांत बहुत पीले होते हैं और बात करते समय मुंह से बदबू भी बहुत आती है। पीले दात देखने में बहुत खराब लगते हैं और यह ओरल हेल्थ के लिए अच्छे भी नहीं होते हैं। दांतों का पीलापन हटाने के लिए कई घरेलू उपाय बहुत प्रभावी प्रभावी हो सकते हैं।

ओरल हेल्थ फाउंडेशन के अनुसार ही तरीके से ब्रश न करने से दांतों पर प्लाक और टार्टर जमा हो जाता है, जो दांतों को पीला कर सकता है। प्लाक और टार्टर एक चिपचिपा और हल्का पीला पदार्थ होता है, जो भूरे रंग का भी हो सकता है और मसूड़ों की सतह पर जम जाता है। जब हम भोजन करते हैं, विशेष रूप से शुगर और स्टार्च वाली चीजें, तो मुंह में मौजूद बैक्टीरिया इनका उपयोग करके एसिड बनाते हैं। यह एसिड दांतों की सतह पर चिपक जाते हैं और प्लाक का निर्माण करते है। तो ऐसे में दांतों का पीलापन दूर करने में कुछ घरेलू उपचार बहुत प्रभावी होते है।

नमक और सरसों का तेल
थोड़े से नमक में कुछ बूंदें सरसों का तेल डालकर मिलाएं और तैयार इसे पेस्ट को दांतों पर लगाकर, फिंगर टिप से मालिश करें। यह दांतों को साफ करने के साथ–साथ मसूड़ों को भी मजबूत करता है।

एप्पल साइडर विनेगर
सेब के सिरके को पानी में मिलाकर उसका उपयोग माउथवॉश करने से धीरे–धीरे दांतों का पीलापन दूर होने लगता है। इसे सीधे उपयोग न करें क्योंकि इसमें हाई एसिड होता है और दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंच सकता है। इसके साथ पानी जरूर मिलाएं।

संतरे का छिलका
ताजे संतरे के छिलके से भी अपने दांतों को साफ किया जा सकता है।छिलके के अंदरूनी हिस्से में विटामिन सी होता है, तो उस हिस्से को हल्के हाथों से दांतों पर रगड़ें, यह दांतों का पीलापन दूर करेगा।

बेकिंग सोडा और नींबू का रस
आधा चम्मच बेकिंग सोडा में कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाकर, उसे अपने टूथब्रश पर लगायें और दांतों पर हल्के हाथों से ब्रश करें।

सरसों का तेल और हल्दी
सरसों के तेल में थोड़ा सा हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें और अब इसे टूथब्रश पर लगाकर दांतों पर ब्रश करें। इससे दांतों का पीलापन जल्दी दूर होगा। दांतों में पीलेपन की समस्या न हो, इसके लिए दिन में दो बार, कम से कम दो मिनट के लिए फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का उपयोग करके।

अक्सर सीने में जलन और ब्लोटिंग करते हैं खराब पाचन की ओर इशारा

हमारा पेट हमारी पूरी सेहत को प्रभावित करता है। हमारा पाचन हमारे शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करता है। ये बात शायद आप न जानते हों कि आपका गट आपके दिमाग से सीधे तौर पर जुड़ा होता है, क्योंकि हमारे गट में सबसे ज्यादा नर्व्स मौजूद होते हैं, जो दिमाग से सीधा संदेश का आदान–प्रदान करते हैं। इसलिए आपका पाचन आपके शरीर के हर अंग को प्रभावित करता है। इसलिए सेहतमंद रहने के लिए ळनज भ्मंसजी का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। इसलिए हम कुछ ऐसे टिप्स बताने वाले हैं, जिनकी मदद से आप अपने पाचन को दुरुस्त रख सकते हैं। साबुत अनाज खाएं– अपनी गट हेल्थ का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि आपकी डाइट में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाए। साबुत अनाज फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत होते हैं। इसलिए अपनी डाइट में रिफाइन्ड अनाज की जगह साबुत अनाज को शामिल करें। इससे खाना आसानी से आंतों से गुजर पाता है और बॉवेल मूवमेंट बेहतर रहता है, जो गट हेल्थ के लिए जरूरी है। हेल्दी पाचन के लिए जरूरी है कि आपका गट फ्लोरा बेहतर रहे। गट फ्लोरा यानी गट में पाए जाने वाले जीवाणु। ये पाचन को दुरुस्त रखने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इसलिए अपनी डाइट में प्रीबायोटिक्स और प्रोबायोटिक्स को जरूर शामिल करें।

2 साल से छोटे बच्चों के लिए सही नहीं है शुगर खाना

बच्चे आम तौर पर मीठे फूड आइटम्स का स्वाद पसंद करते हैं, लेकिन छोटे बच्चों को शुगर देना उनके स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होता है। दरअसल, प्रॉबल्म यह है कि, जितनी जल्दी आप अपने बच्चों को शुगर देंगे, उतने ही चांसेस ज्यादा होंगे कि, आपका बच्चा मीठे का शौकीन बनेगा। बचपन में हाई शुगर वाले फूड खाने से दिल से जुड़ी बीमारियां, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर हो सकती हैं। इसीलिए, 2 साल की उम्र से पहले एक्स्ट्रा शुगर से बचने की सिफारिश की जाती है। रिसर्च से पता चलता है कि 7 से 8 महीने के लगभग आधे बच्चे पहले से ही किसी न किसी तहर की मिठाई या मीठा ड्रिंक पी चुके होते हैं। हालांकि, आप सोच सकते हैं कि थोड़ी सी चीनी नुकसान नहीं पहुँचाती है, लेकिन इतनी जल्दी मिठाइयां खिलाना आपके बच्चे की ज्ेंजम प्रॉयोरिटी को आकार दे सकता है। अगर आपके बेबी को मीठी ड्रिंक या खाना खिलाएंगे, तो बड़ा होने के बाद उनका मीठा खाने के चांसेस भी उतने ही ज्यादा होंगे। ऐसे फूड आइटम्स को ढूंढना वाकई मुश्किल हो गया है, जो एक्स्ट्रा शुगर से नहीं बने हैं।

इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम में इन चीजों का सेवन पड़ सकता सेहत पर भारी

अगर आप भी पेट में दर्द, ब्लोटिंग, गैस, सूजन, उल्टी आना, जी मिचलाना, पेट में ऐंठन या बेवजह थकान जैसे लक्षणों से परेशान हैं, तो बहुत हद तक मुमकिन है कि आप भी इस बीमारी का शिकार हों। गर्मियों में खराब खानपान के चलते पेट से जुड़ी समस्याएं काफी बढ़ जाती हैं। चलिए, इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम की स्थिति में खानपान में किन चीजों से दूरी बना लेनी चाहिए। इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम में कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का सेवन आपको भूलकर भी नहीं करना चाहिए। बता दें, यह आंतों पर उत्तेजक प्रभाव डालती हैं और दस्त के साथ–साथ, पेट फूलना और एसिडिटी की तकलीफ को भी बढ़ा सकती हैं। आईबीएस की समस्या में फूलगोभी, ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स और पत्तागोभी खाना भी अवॉइड करना चाहिए। चूंकि इनमें फाइबर ज्यादा पाया जाता है, ऐसे में यह इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम से जुड़े लक्षणों को बढ़ा सकता है। प्याज–लहसुन खाने से भले ही खाने का टेस्ट बढ़ जाता हो, लेकिन बता दें कि इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम की परेशानी में आपको इन्हें खाने से भी बचना चाहिए। इसमें मौजूद फ्रक्टेन आंतों में जमा हो जाते हैं और तकलीफ को बढ़ा सकते हैं। इससे आपको हर वक्त गैस की परेशानी रह सकती है।

गर्मियों में दबाकर न पिएं नींबू, उल्टा पड़ जाएगा दांव

हाई एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है और यह पेट संबंधी कई समस्याओं को दूर करता है। लेकिन इसके फायदे तभी तक हैं, जब इसका सही मात्रा में सेवन किया जाए। अत्यधिक सेवन से कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों के दिनों में लोग नींबू का सेवन बढ़ा देते हैं, जैसे कि दिन भर में कई बार नींबू पानी का सेवन, चटनी में, सलाद में, आम पना में और कुछ लोग गर्मियों में नींबू वाली चाय पीना ज्यादा पसंद करते हैं। जिससे संभावित नुकसान हो सकते हैं। नींबू में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है और गर्मियों में खाए जाने वाले आम, कच्चे आम और फलों में भी विटामिन सी की मात्रा ज्यादा होती है। तो इन सभी के सेवन से आपके शरीर में विटामिन सी अधिकता कई शारीरिक समस्याओं का कारण बन सकती है। बहुत अधिक मात्रा में नींबू लेने से दांतों से लेकर संपूर्ण स्वास्थ्य को कई प्रकार से नुकसान हो सकते हैं।व्यस्कों के लिए एक दिन में एक से दो नींबू पानी का सेवन काफी है। रोजाना उससे अधिक मात्रा लेना सेहत के लिए सही नहीं है। जानिए अधिक नींबू लेने से होने वाले नुकसान।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दांतों की समस्या
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार नींबू का रस अम्लीय होता है और यह एसिड दांतों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अत्यधिक सेवन से दांतों को नुकसान पहुंचता है, जिससे दांत संवेदनशील हो सकते हैं और कैविटी की समस्या बढ़ सकती है। दांतों के बचाव के लिए नींबू पानी पीते समय स्ट्रॉ का उपयोग करें, ताकि अम्लीय तरल सीधे दांतों के संपर्क में न आए।

गैस्ट्रिक समस्याएं
नींबू में सिट्रिक एसिड होता है, जो पेट में एसिड की मात्रा को बढ़ाता है। ऐसा होने पर पेट में में जलन और गैस की समस्या हो सकती है। इसका अधिक सेवन एसिड रिफलक्स या जीईआरडी को बढ़ा सकता है। जिसके कारण पेट में एसिड वापस एसोफेगस यानी कि गले की नली में आ जाता है, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है।

विटामिन सी की अधिकता
विटामिन सी की अधिकता भी पेट के लिए अच्छी नहीं है। इससे दस्त और पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। शरीर में विटामिन सी की अत्यधिक मात्रा दस्त का कारण बन सकती है और आंतों में घाव का खतरा भी बढ़ जाता है।

गले की समस्याएं
नींबू का अधिक सेवन गले के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा नहीं है। नींबू का रस गले में जलन और खराश पैदा कर सकता है। नींबू में मौजूद सिट्रिक गले की झिल्ली को प्रभावित कर सकता है, जिससे गले में खराश और सूजन हो सकती है।

पेप्टिक अल्सर गंभीर हो सकता है
नींबू पानी में मौजूद सिट्रिक एसिड और अम्लता की मात्रा उच्च होती है, जो कुछ लोगों में पेप्टिक अल्सर जैसी पेट की समस्याओं को बढ़ा सकती है। इसलिए पहले से इसके मरीज नींबू पानी के अधिक सेवन से बचें।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आठवें स्थान पर किया अंत

अगले सीजन में चैंपियनशिप में बर्नले और शेफील्ड यूनाइटेड में शामिल होंगे। प्रीमियर लीग सीजन में अपने आखिरी गेम में ब्राइटन को 2–0 से हराने के बावजूद मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आठवें स्थान पर अपने अभियान का अंत किया और उनका सफर नकारात्मक गोल अंतर के साथ खत्म हुआ।

मैनचेस्टर सिटी ने रच दिया इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश फुटबॉल में इतिहास रचते हुए वेस्ट हैम को 3–1 से हराकर लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग खिताब जीता और आर्सेनल का दिल तोड़ दिया। फिल फोडेन ने दो शुरुआती गोल करके अपनी टीम को खिताब के करीब पहुंचाया, लेकिन मोहम्मद कुदुस ने एक शानदार ओवरहेड किक के साथ गोल के अंतर को कम करने की कोशिश की, लेकिन रोड्री ने घंटे भर से ठीक पहले गोल करके मैनचेस्टर सिटी की दो गोल की बढ़त दिला दी। पूरे मैच में घरेलू टीम एकबार भी परेशान नहीं दिखी और शानदार जीत हासिल की। आर्सेनल ने दिन की शुरुआत अपने प्रतिद्वंद्वियों से दो अंक पीछे की और मैनचेस्टर सिटी को जीत से दूर करने के लिए चमत्कार की प्रार्थना कर रहा था। 2004 से प्रीमियर लीग टाइटल नहीं जीतने वाली आर्सेनल टीम ने से एक गोल से पिछड़ने के बाद एवर्टन को 2–1 से हरा दिया, लेकिन लगातार दूसरे सीजन में उन्हें पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। मैनचेस्ट सिटी लगातार चार शीर्ष खिताब जीतने वाली एकमात्र अंग्रेजी टीम है। प्रीमियर लीग सीजन के आखिरी दिन, घरेलू मैदान पर फुलहम से 4–2 की हार के साथ ल्यूटन बाहर हो गया।

द्रविड़ को रिप्लेस करेगा एमआई को चैंपियन बनाने वाला कोच?

भारतीय टीम के हेड कोच बनने की रेस में गौतम गंभीर और महेला जयवर्धन का नाम सबसे आगे

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में खेला जाएगा। इस मेगा इवेंट के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। इस टूर्नामेंट के बाद भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो जाएगा।

राहुल द्रविड़ के बाद कौन होगा टीम इंडिया का नया हेड कोच इसकी चर्चा चरम पर है। टीम इंडिया के हेड कोच की रेस में गौतम गंभीर और महेला जयवर्धन का नाम आगे है। इस बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये खुलासा हुआ है कि जयवर्धने ने इस पद के लिए आवेदन नहीं किया और न ही उनसे बीसीसीआई ने संपर्क किया है।

दरअसल, कुछ रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि गौतम गंभीर और महेला जयवर्धने के नाम भारत के अगले मुख्य कोच बनने के लिए चर्चा में हैं, जिन्हें 1 जुलाई, 2024 से 31 दिसंबर, 2027 तक के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया जाएगा, लेकिन कुछ सूत्रों ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया है कि श्रीलंका के पूर्व पुरुष कप्तान जयवर्धने ने शीर्ष पद के लिए आवेदन नहीं किया है और न ही उनसे संपर्क किया गया है और वर्तमान में वह मुंबई इंडियंस के सेटअप से खुश हैं।

जयवर्धने, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को तीन आईपीएल खिताब जिताए। वह मौजूदा समय में फ्रेंचाइजी के प्रदर्शन के वैश्विक प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं, जहां वह एसए20 और आईएलटी20 जैसी अलग–अलग वैश्विक टी20 लीगों में एमआई फ्रेंचाइजी की कोचिंग और स्काउटिंग के प्रभारी हैं। उन्होंने हाल के विश्व कप अभियानों में श्रीलंका पुरुष टीम के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है।

कोहली भले ही कप्तान नहीं हैं, लेकिन आरसबी के पोस्टर बॉय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। विराट कोहली की आरसीबी गिरते पड़ते प्लेऑफ तक तो पहुंच गई है, लेकिन अब उसका रास्ता आसान नहीं है। आईपीएल 2024 की धाकड़ टीमों के खिलाफ अब उसे खेलना है। पहले उसकी भिड़ंत राजस्थान से होगी। अगर वह यहां जीत गई तो आगे क्वालीफायर–2 में कोलकाता नाइटराइडर्स और सनराइजर्स हैदाबाद की विजेता से भिड़ना होगा। यहां के बाद नंबर आएगा फाइनल का, जिसमें कोलकाता नाइटराइडर्स या सनराइजर्स हैदराबाद टीम होगी। हालांकि, यहां तक पहुंचने के लिए उसे पहले राजस्थान को हराना होगा। आइए समझते हैं क्यों आखिर कौन–सी वजहें हैं, जो उसके और पहले खिताब के बीच रोड़ा हैं।

■ एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स ही सबसे बड़ा कांटा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अब पॉइंट्स टेबल की टॉप–3 टीमों से भिड़ना है, जिनके खिलाफ जीत आसान नहीं होगी। दरअसल, लीग मैचों में सिर्फ सनराइजर्स हैदराबाद को एक बार हरा पाई है, जबकि एक बार हारी है। इसके अलावा कोलकाता नाइटराइडर्स से आरसीबी दो बार हारी है, जबकि राजस्थान के खिलाफ एक बार। दूसरी ओर, लीग मैचों में आखिरी 5 मैच उन टीमों के खिलाफ जीती है, जो संघर्ष कर रही थीं। सीएसके की प्रमुख प्लेइंग–11 के कई खिलाड़ी नहीं थे।

इस सीजन राजस्थान रॉयल्स से आरसीबी ने एक मैच खेला, जिसमें विराट कोहली ने शतक जड़ा था। हालांकि, आरआर के लिए जोस बटलर ने शतक ठोका और कप्तान संजू सैमसन ने तूफानी अंदाज में हाफ सेंचुरी जड़ते हुए मैच छीन लिया था। यहां जोस बटलर तो नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद राजस्थान कमजोर नहीं दिख रही। उसके पास प्रेशर को हैंडल करने वाले प्लेयर्स की कमी नहीं हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि आर. अश्विन और युजवेंद्र चहल के रूप में दो धाकड़ स्पिनर हैं, जिनके खिलाफ कोई भी बल्लेबाज संघर्ष करता है। वे खुलकर खेलने की आजादी नहीं देते हैं, जबकि ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर और आवेश खान के रूप में 4 अच्छे पेसर हैं।

प्लेऑफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं कप्तान कमिंस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ चार विकेट से जीत दर्ज की। हैदराबाद की इस जीत में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच जीतने के बाद कप्तान पैट कमिंस ने अभिषेक की जमकर तारीफ की। कप्तान ने कहा कि वह अभिषेक को खिलाफ कभी गेंदबाजी नहीं करना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाए थे। इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने 19.1 ओवर में 6 विकेट खोकर 215 रन बनाकर मैच जीत लिया। ट्रेविस हेड का पहली गेंद पर विकेट खोने के बाद अभिषेक ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 68 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 42 रन का योगदान दिया। मैच के बाद पैट कमिंस ने कहा, फैंस का इतना समर्थन देखकर अछा लगता है। मेरे लिए यह सीजन अच्छा रहा है।

न्यूज डायरी

सीएसके की हार के बाद रांची लौटे धौनी की एक झलक पाने को बेताब दिखे फैंस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एमएस धोनी अपने गृहनगर रांची लौट आए हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई, जिसके बाद माही अपने परिवार के साथ रांची लौट आए। रांची पहुंचने के बाद एमएस धोनी का एयरपोर्ट पर एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में नजर आ रहा है कि एमएस धोनी फैंस के बीच से निकले और सीधे जाकर अपनी कार में बैठ गए। इस बीच माही ने किसी से बातचीत नहीं की जबकि फैंस उनके साथ एक फोटो क्लिक कराने के लिए बेताब नजर आए। एमएस धोनी अपने परिवार के साथ कार से घर के लिए रवाना हो गए। दुनिया के बेस्ट मैच फिनिशर का तमगा लिए एमएस धोनी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ ये कमाल करने में नाकाम रहे। सीएसके को प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए आखिरी ओवर में 17 रन की दरकार थी। एमएस धोनी स्ट्राइक पर थे। उन्होंने यश दयाल की पहली गेंद पर फाइन लेग की दिशा में 110 मीटर छक्का जड़ दिया। मगर अगली गेंद पर धोनी आउट हो गए और सीएसके क्वालीफाई करने से चूक गया। इस पूरे आईपीएल में माना जा रहा था कि एमएस धोनी अपना आखिरी सीजन खेल रहे हैं। इस सीजन के बाद एमएस धोनी के संन्यास की घोषणा का इंतजार किया जा रहा था, लेकिन अब ऐसी खबर सामने आई है कि माही के फैंस के चेहरे खिल उठेंगे। सीएसके के सीईओ ने कहा है कि एमएस धोनी ने अपने संन्यास पर कोई अपडेट नहीं दी है।

यश दयाल ने आरसीबी से जुड़ने के वक्त वह खूब उन्हें थे ट्रोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रॉयल चौलेंजर्स बैंगलुरु ने सीएसके को 17 रन से हराकर आईपीएल 2024 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। आरसीबी की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में टीम के स्टार गेंदबाज यश दयाल का अहम हाथ रहा, जिन्होंने मैच में शानदार गेंदबाजी की। यश दयाल ने आखिरी ओवर में सीएसके को प्लेऑफ में पहुंचने से रोका और 6 गेंद में केवल 7 रन देकर एक विकेट चटकाया। वो विकेट किसी और का नहीं, बल्कि सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का ही रहा। उनके इस प्रदर्शन से खुश होकर आरसीबी टीम के कप्तान फाफ डूप्लेसी ने भी अपना प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड यश दयाल को समर्पित किया। सीएसके के खिलाफ मैच के बाद यश दयाल ने एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब आरसीबी की टीम ने अपने खेमे में शामिल किया था तो उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल होने पड़ा था। आइए जानते है यश दयाल के ट्रोल होने की कहानी। दरअसल ,सीएसके के खिलाफ खेले गए मैच के बाद आरसीबी के गेंदबाज यश दयाल ने कहा कि जब आरसीबी ने उन्हें चुना था तो उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें टीम में जगह देने को लेकर काफी सवाल उठाए थे। मेरा माइंडसेट ये था कि मुझे लोगों को गलत नहीं ठहराना, बल्कि मुझे खुद को सही साबित करना है।

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किया टीम का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले वेस्टइंडीज को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत 23 मई से होनी है। इस सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। मौजूदा समय में वेस्टइंडीज के कई प्लेयर्स आईपीएल 2024 खेलने में व्यस्त हैं। ऐसे में आईपीएल स्टार्स की गैरमौजूदगी में साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का कप्तान ब्रैंडन किंग को बनाया गया है। वेस्टइंडीज टीम के 7 खिलाड़ी मौजूदा समय में भारत में आईपीएल खेल रहे हैं, जिसमें निकोलस पूरन, शाई होप, रोवमैन पॉवेल का नाम भी शामिल है। इन खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिली। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक स्टेटमेंट जारी की जिसमें लिखा गया है कि अल्जारी जोसेफ और शेरफेन रदरफोर्ड की फ्रेंचाइजी अगर आईपीएल 2024 के फाइनल में नहीं पहुंच पाती है तो उन्हें वेस्टइंडीज की स्क्वॉड में शामिल किया जा सकता है।

जौलीग्रांट में पेयजल किल्लत को लेकर महिलाओं प्रदर्शन करती हुई।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाने को चलाएं अभियान

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका ने अफसरों को सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण की कई शिकायतें मिली। जिस पर उन्होंने कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डीएम के सामने कुल 84 शिकायतें मिलीं। खासतौर अतिक्रमण और जमीनों से जुड़े विवाद की तमाम शिकायतें मिली हैं। साथ ही जौलीग्रांट में सील भूमि पर निर्माण होने, ननूरखेड़ा में सफाई न होने के साथ ही चकराता में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़क मानक अनुरूप न होने की शिकायत लोगों ने की। डीएम ने सभी उपजिलाधिकारियों के साथ ही नगर निगम और नगर निकाय के अधिकारियों से सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने को कहा।

जौलीग्रांट में पेयजल किल्लत को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

संवाददाता ऋषिकेश। पेयजल किल्लत को लेकर जौलीग्रांट की महिलाओं ने सोमवार को जल संस्थान कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। चेताया कि जल्द पेयजल दिक्कत दूर नहीं हुई तो जल संस्थान कार्यालय पर तालाबंदी की जाएगी। गर्मी बढ़ते ही डोईवाला के कई क्षेत्रों में पेयजल समस्या गहरा गई है। जौलीग्रांट में तीन हजार, तेलीवाला में एक हजार और भानियावाला में 1500 की आबादी पेयजल समस्या से जूझ रही है। जौलीग्रांट वार्ड नंबर चार की महिलाएं डोईवाला स्थित जल संस्थान कार्यालय पहुंची और वहां प्रदर्शन किया।

यूटीयू की परीक्षा में छात्रा सहित तीन नकलची पकड़े

संवाददाता देहरादून। वीर माधों सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाओं में सोमवार को रुड़की व टिहरी में एक छात्रा सहित दो नकलची पकड़े गए। उड़न दस्ता टीम ने वहां निरीक्षण के दौरान ये कार्रवाई की। वहीं विवि के कुलपति डा. ओंकार सिंह ने भी दून के तीन संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। हालांकि वहां सारी व्यवस्थाएं सही पायी गई।

गोल्ड कप में प्रियांश के शतक से जीती दिल्ली

संवाददाता देहरादून। ऑल इंडिया उत्तराखंड गोल्ड कप किक्रेट टूर्नामेंट के सोमवार को सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल में खेले गए मुकाबले में प्रियांश की शतकीय पारी के दम पर डीडीसीए ने बिहार इलेवन को आठ विकेट से हराया। दूसरे मैच में दिल्ली चौंलेजर्स ने सात विकेट से जीत दर्ज की। डीडीसीए और बिहार के बीच हुए मैच में बिहार ने पहले बल्लेबाजी की। टीम की शुरुआत खराब रही। 34.3 ओवर में 241 रन के स्कोर पर पूरी टीम आउट हो गई।

चारधाम यात्रा पर आ रहे तीर्थ यात्रियों की यात्रा सुरक्षित एवं मंगलमय हो

निरीक्षण

■ सचिव स्वास्थ्य ने श्री केदारनाथ धाम यात्रा के लिए उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। तीन दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव स्वास्थ्य प्रभारी सचिव (यात्रा) डॉ आर राजेश कुमार ने सोमवार को केदारनाथ धाम में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की ओर से की गई तैयारियों एवं सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

स्लाइडिंग जोन सिरोबगड़ के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि सिरोबगड़ से ही जनपद की सीमा प्रारंभ हो जाती है तथा ये क्षेत्र अति–संवेदनशील है। ऐसे में हल्की वर्षा में भी मलबा आने से मार्ग बाधित हो जाता है। इसके लिए उन्होंने समुचित व्यवस्थाएं

करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्लाइडिंग जोन पर 24×7 जीसीबी मशीन उपलब्ध रहे। जीसीबी ऑपरेटर का नंबर भी सभी प्रशासनिक अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाए ताकि यातायात मार्ग अवरूद्ध होने पर तत्काल यातायात हेतु सुचारू किया जा सके।

उन्होंने जिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए चिकित्सालय में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को उन्होंने निर्देश दिए कि केदारनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं का यदि स्वास्थ्य खराब हो जाता है तो उनका प्राथमिकता पर उपचार किया जाए। उन्होंने कहा कि उपचार के लिए चारों धामों में 180 चिकित्सक तैनात किये गए हैं। उन्होंने केदारनाथ यात्रा व्यवस्था हेतु तैनात डॉक्टरों की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय में स्थापित की जा रही सिटी स्कैन मशीन को तत्परता से स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिटी स्कैन कक्ष के लिए विद्युत भार बढ़ाने के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली धनराशि के लिए महानिदेशक स्वास्थ्य को आवश्यक दिशा–निर्देश भी निर्गत किये।

प्रभारी सचिव ने यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव पर बेहतर साफ सफाई व्यवस्था के निर्देश नगर पालिका, नगर पंचायत एवं जिला पंचायत को दिए। इसके साथ ही जल संस्थान को यात्रा मार्ग एवं यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव पर उचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के भी निर्देश दिए। विद्युत विभाग को भी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

सचिव स्वास्थ्य ने रुद्रप्रयाग शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सभी होटल व्यवसाय एवं व्यापारियों से खाद्य सामग्री को खुले में न रखकर इसके लिए उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए तथा साफ सफाई एवं खाने पीने की सामग्री में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों/व्यापारियों ने रुद्रप्रयाग मुख्य बाजार में पेयजल एवं शौचालय की समस्या से उन्हें अवगत कराया गया जिसके समाधान के लिए सचिव स्वास्थ्य ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. सौरव गहरवार एवं पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक बधाणे ने सचिव से जीएनवीएन में मुलाकात की।

स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों से कराया अवगत

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एच.सी.एस मर्तोलिया ने अवगत कराया कि केदारनाथ यात्रा के लिए पांच चिकित्सा अधिकारी,एक फिजिशियन अन्य जनपदों से तैनात किए गए हैं तथा जनपद रुद्रप्रयाग से नौ चिकित्सा अधिकारी और एक आर्थो डॉक्टर तैनात हैं। अन्य जनपदों के 19 फार्मासिस्ट और 2 जनपद रुद्रप्रयाग तथा 8 स्वास्थ्य चिकित्सक और 5 कनिष्ठ चिकित्सक तैनात किए गए हैं।

50 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों की हेल्थ स्क्रीनिंग अनिवार्य

बैठक

■चारधाम यात्रियों की सुविधा के लिए ई–स्वास्थ्य धाम एप की शुरूआतः सीएस

संवाददाता

देहरादून। सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने जानकारी दी है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु स्वास्थ्य विभाग, विश फाउण्डेशन तथा हंस फाउण्डेशन ने ई–स्वास्थ्य धाम एप की शुरूआत की है। ई–स्वास्थ्य धाम एप पर सभी श्रद्धालुओं को अपना स्वास्थय डाटा अपलोड करना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जगह–जगह पर श्रद्धालुओं की हेल्थ स्क्रीनिंग की जाएगी। इन स्क्रीनिंग पॉइन्ट्स

पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के साथ ही हंस एवं विश फाउण्डेशन के चिकित्सक भी मौजूद रहेंगे। विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों की हेल्थ स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से की जाएगी।

सचिवालय में स्वास्थ्य एवं पर्यटन विभाग की बैठक के दौरान मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने स्वास्थ्य एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को अपनी मेडिकल हिस्ट्री की जानकारी रजिस्ट्रेशन के दौरान देने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। इसमें मीडिया की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्य सचिव ने कहा कि यदि श्रद्धालुओं द्वारा अपनी बिल्कुल सही मेडिकल हिस्ट्री रजिस्ट्रेशन के दौरान उपलब्ध करवाई जाती है तो इससे प्रशासन को किसी भी आपातकाल के दौरान श्रद्धालुओं को चिकित्सा सहायता पहुंचाने में आसानी होगी। यात्रियों की मेडिकल हिस्ट्री की उपलब्धता से प्रशासन को भी अपने चिकित्सा संसाधनों के बेहतरीन प्रबन्धन में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम चारधाम यात्रा करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में सचिव श्री सचिन कुर्वे, अपर सचिव डा0 अमनदीप कौर सहित अन्य अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

ई–स्वास्थ्य धाम की शुरुआत

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने वाधवानी इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल हेल्थकेयर के सहयोग से पवित्र चार धाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए स्वास्थ्य सेवा और निगरानी प्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक अग्रणी पहल ई–स्वास्थ्य धाम की शुरुआत की है। यह वेब ऐप अब लाइव हो गया है। ई–स्वास्थ्य धाम एक समर्पित वेब ऐप है जिसे तीर्थयात्रियों की यात्रा के दौरान उनके स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। पर्यटन साइट पर मौजूदा चार धाम पंजीकरण पोर्टल के साथ सहज रूप से एकीकृत, यह प्लेटफॉर्म तीर्थयात्रियों को उनके आभा आईडी के माध्यम से आसानी से अपने मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुँचने में सक्षम बनाता है, जिससे आवश्यक स्वास्थ्य जानकारी की आसान पुनर्प्राप्ति सुनिश्चित होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।